



## भारतीय अर्थव्यवस्थेचे वैशिष्ट्ये

### Key Indicators of Indian Economy

- आर्थिक वर्ष - 1 एप्रिल ते 31 मार्च (1867 पासून)
- भारतीय अर्थव्यवस्थेचे क्षेत्रफळ - 32,87,263 किमी
- जागतिक क्षेत्रफळातील वाटा - 2.42% (7 वा क्रमांक)
- पिक लागवडीखालील क्षेत्रफळ - 155.21 द.ल. हेक्टर
- सिंचनाखालील असलेले क्षेत्र - 66.10 द.ल. हेक्टर
- GDP स्थुल राष्ट्रीय उत्पादन - स्थिर किमतीला - 147.8 लाख कोटी
- वृद्धीदर - 5.0%. 2019-20 - आर्थिक पाहणी नुसार.
- लोकसंख्या - 1,21,05,69,573 (कोटी)  
२०११च्या जनगनेनुसार
- सर्वाधिक लोकसंख्येचे राज्य - उत्तरप्रदेश (19.98 कोटी)
- सर्वाधिक कमी लोकसंख्येचे राज्य - सिक्कमी (6.11 लाख)
- एकूण सारक्षरता - 74% ग्रामिण - 67.81%, शहरी - 84.1%
- सर्वाधिक साक्षरतेचे राज्य - केरळ (94%)
- सर्वात कमी साक्षरता राज्य - बिहार (61.8%)
- एकूण घनता - 382 sqkm.
- सर्वाधिक घनता असलेले राज्य - बिहार (1106)
- सर्वाधिक कमी घनता असलेले राज्य - अरुणाचल प्रदेश (17)

- एकूण लिंगगुणोत्तर - 943 ♀ / 1000 ♂  
केरळ - 1084, हरियाणा - 879
- दशकीय वाढीचा दर - 17.69%
- प्रतिवर्ष लोकसंख्या वाढ - 2.42%
- जन्मदर - 20%, मृत्युदर - 07% (21.4 - 2013 नुसार)
- बालमृत्युदर - 49/1000
- जागतिक लोकसंख्येशी प्रमाण - 17.5%.
- एकूण अन्नधान्य उत्पादन - 285.0 M.T. (2017-18 नुसार)
- सर्वाधिक पिक उत्पादन - तांदुळ सर्वाधिक वाढ-गहू
- औद्योगिक उत्पादन निर्देशांक - IIP

| 2016-17 | 2017-18 | 2018-19 | 2019-20 |
|---------|---------|---------|---------|
| 4.6     | 4.4     | 3.8     | 0.6     |

- भाववाढीचा दर - WPI - वाढीचा दर 2019-20 नुसार 1.5%
- भाववाढीचा दर - CPI - वाढीचा दर 2019-20 नुसार 4.1%
- परकीय चलनसाठा 2020-21 नुसार  
633.6 Billion\$ 1\$ = 70.4
- आंतरराष्ट्रीय क्षेत्र -  
निर्यात वृद्धी - 2019-20 - 2.0
- आयात वृद्धी - 2019-20 - +  
चालू खाते प्रमाण - +1.5 %

| परकीय चलनसाठा |                  |
|---------------|------------------|
| अमेरिकन \$    |                  |
| वर्ष          | जीडीपी टक्केवारी |
| 2018-19       | 412.9            |
| 2019-20       | 477.8            |
| 2020-21       | 577.0            |
| 2021-22*      | 633.6            |

\* फिब्रुवारी 2021 पर्यंत

## भारतीय अर्थव्यवस्था नोट्स

- HDI मानव विकास अहवाल - 2020 नुसार भारत - 131. 0.645
- GHI जागतिक उपासमार निर्देशांक 2020 नुसार भारत -
  - 1) अल्प दरडोई उत्पन्न
  - 2) संरचनात्मक बदल
  - 3) अतिरिक्त लोकसंख्या
  - 4) अल्प भांडवल निर्मिती
  - 5) वाढती बेरोजगारी
  - 6) दारिद्र्याचे प्रमाण
  - 7) भारतातील वृद्धीदर
  - 8) संपत्तीचे असमान वितरण
  - 9) औद्योगिकरणाचा अभाव
  - 10) तंत्रज्ञानाचा अभाव
  - 11) मानवी भांडवलाचा निकृष्ट दर्जा
  - 12) निम्न राहणीमान

### 1) अल्प दरडोई उत्पन्न -

- दरडोई उत्पन्न हे आर्थिक विकासाचा महत्त्वाचा निर्देशांक आहे. इतर विकसित देशांच्या तुलनेत भारताचे दरडोई उत्पन्न अल्प आहे. कारण भारताची लोकसंख्या अधिक आहे त्यामुळे दरडोई उत्पन्नाचे प्रमाण कमी येते.
- आर्थिक पाहणी अहवाल 2019-20 नुसार भारताचे दरडोई उत्पन्न 1,35,050 एवढे आहे. 2018-19 मध्ये 1,26,406, 2017-18 या वर्षीमध्ये 1,14,958 तर 2016-17 मध्ये 1,04,659 प्रतिवर्ष एवढे दरडोई उत्पन्न होते.

### सर्वाधिक दरडोई उत्पन्न असणारे देश (IMF-2021)

| क्र. | देश        | दरडोई उत्पन्न (\$) |
|------|------------|--------------------|
| 1.   | Luxembourg | 1,22,740           |
| 2.   | Singapore  | 1,02,742           |
| 3.   | Ireland    | 99,239             |
| 4.   | Qatar      | 97,262             |
| 5.   | Macau      | 90,606             |
| 15.  | USA        | 68,309             |
| 155. | India      | 7,333 6,654 (IBRD) |

### 2) क्षेत्रीय कल / संरचनात्मक बदल (Structural Change) -

- भारताच्या अर्थव्यवस्थेची संरचना तीन क्षेत्रामध्ये प्रामुख्याने विभागलेली आहे. प्राथमिक क्षेत्र - कृषी व संलग्न, द्वितीय क्षेत्र - उद्योग व बांधकाम, तृतीय क्षेत्र - सेवा. 1950 पासून आतापर्यंत भारतीय अर्थव्यवस्थेत संरचनात्मक बदल घडून आले आहेत.

### भारताच्या स्थूल देशांतर्गत उत्पादनातील क्षेत्रीय वाटा GDP%

| इ.स.    | प्राथमिक क्षेत्र | द्वितीय क्षेत्र | तृतीय क्षेत्र |
|---------|------------------|-----------------|---------------|
| 1950-51 | 55.4%            | 15.00%          | 29.06%        |
| 1980-81 | 38.00%           | 24.00%          | 38.00%        |
| 2009-10 | 14.06%           | 28.5%           | 56.9%         |
| 2011-12 | 14.00%           | 27.1%           | 58.9%         |
| 2015-16 | 17.5%            | 31.8%           | 50.7%         |
| 2017-18 | 17.1%            | 29.1%           | 59.9%         |
| 2018-19 | 18.97%           | 27.03%          | 54.40%        |

### 3) अतिरिक्त लोकसंख्या (Excess Population) -

- साधारणतः जन्मदर व मृत्युदर यामधील अधिक तफावतीमुळे विकसनशील देशामध्ये लोकसंख्येचे प्रमाण अधिक वाढते. स्वातंत्र्योत्तर काळापासून भारताच्या लोकसंख्येमध्ये सतत वाढ दिसून येते. 1940 ते 1951 मध्ये लोकसंख्येचा वृद्धीदर 13.31% इतका होतो. 1960 ते 1971 या दशकीय काळात सर्वाधिक लोकसंख्या वाढ झाली. 24.80% ने लोकसंख्येत वृद्धी झाली (1971 ह्या वर्षाला लोकसंख्या विस्फोटाचे वर्ष म्हणतात) 2000 ते 2011 या काळात 17.69% ने लोकसंख्येत वृद्धी झाली आहे. (१९२१ - महाविभाजन वर्ष)

| वर्ष | दशकीय वाढ |
|------|-----------|
| 1911 | 5.75      |
| 1921 | -0.31     |
| 1931 | 11.00     |
| 1941 | 14.22     |
| 1951 | 13.31     |
| 1961 | 21.51     |
| 1971 | 24.80     |
| 1981 | 24.66     |
| 1991 | 23.87     |
| 2001 | 21.54     |
| 2011 | 17.69     |

#### 4) अल्प भांडवल निर्मिती

- भारतीय अर्थव्यवस्था विकसनशील असण्याचे एक महत्वाचे कारण म्हणजे अल्प भांडवल निर्मिती होय. राष्ट्राच्या विकासामध्ये भांडवलाची भूमिका अत्यंत महत्वाची असते. भारतीय व्यक्तींचे दरडोई उत्पन्न अल्प असल्यामुळे बचतीचा दर कमी राहतो परिणामी भांडवल निर्मिती कमी होते.
- भारतीय भांडवल लाजरे भांडवल आहे.**  
म्हणजेच अधिक धोका न स्विकारणारे

| वर्ष    | भांडवल निर्मिती |
|---------|-----------------|
| 2014-15 | 34.4%           |
| 2015-16 | 33.3%           |
| 2016-17 | 30.3%           |
| 2017-18 | 30.5%           |
| 2018-19 | NA              |
| 2019-20 | NA              |

#### 5) वाढती बेरोजगारी (Increasing Unemployment) -

- भारतीय अर्थव्यवस्थेतील एक गंभीर समस्या म्हणून बेरोजगारीकडे पाहिले जाते. बेरोजगारी निर्मुलनासाठी भारताच्या पंचवार्षिक योजना काळात खास उद्दिष्ट्ये राबविण्यात आले. असे असुन सुद्धा भारताच्या बेरोजगारीचा दर जास्त आहे.
- "काम करण्याची इच्छा, पात्रता, योग्यता असुन काम न मिळणे म्हणजे बेरोजगारी होय."

#### 6) दारिद्र्याचे प्रमाण -

- जीवनाश्यक वस्तूंची पूर्तता करु न शकणे म्हणजे दारिद्र्य होय.
- 1973 - नियोजन आयोगाने दारिद्र्यरेषा ठरविण्यासाठी कृतीदल नेमला.
- 'अन्न' यापासुन मिळणारा उष्मांक यावरुन दारिद्र्य मोजले गेले. त्यानुसार सध्या -  
**ग्रामिण भागात - 2400 उष्मांक - रोजचा खर्च 1.64 ₹**  
**शहरी भागात - 2100 उष्मांक.**  
 महिन्याचा खर्च - 49.09 रु. यानुसार BPL व APL ठरविण्यात आले  
 Below Poverty Line - BPL  
 Above Poverty Line - APL  
 दारिद्र्य रेषा - ग्रामिण भाग 49.09 रु.  
 शहरी भाग - 56.64 रु.

- भारतात दारिद्र्य काढण्यासाठी -  
 1) किमान प्रतिमाह उपभोग खर्च, 2) एकुण उष्मांक.

#### तेंडुलकर समितीप्रमाणे -

| दारिद्र्य प्रमाण | एकुण  | दारिद्र्य लोकसंख्या |
|------------------|-------|---------------------|
| 1993-94          | 45.3% | 40.4 कोटी           |
| 2004-05          | 37.2% | 40.7 कोटी           |
| 2009-10          | 29.8% | 35.5 कोटी           |
| 2011-12          | 21.9% | 26.9 कोटी           |

■ रंगराजन समितीप्रमाणे -

| दारिद्र्य प्रमाण | एकुण  | दारिद्र्य लोकसंख्या |
|------------------|-------|---------------------|
| 2011-12          | 29.5% | 36.3 कोटी           |
| 2009-10          | 38.2  | 45.5 कोटी           |

■ जागतिक बँकेच्या मते 2013-14 - भारतातील दारिद्र्य 42%

7. भारतातील वृद्धीदर :-

भारत विकसनशिल देश आहे. भारतात उत्पादन वृद्धीदर अधिक आहे. पण सुरुवातीच्या काळात म्हणजे 1950 ते 1980 या काळात वृद्धीदर स्थिर (3.5)% दरम्यान होता. नियोजनाचा दुसरा टप्पा 1981 ते 2020 या काळात 5.2% पर्यंत वृद्धीदर नोंदवण्यात आला आहे.

|         |      |
|---------|------|
| 2015-16 | 8.0% |
| 2016-17 | 8.2% |
| 2017-18 | 7.8% |
| 2018-19 | 6.1% |
| 2019-20 | 4.2  |

आर्थिक पाहणी 2020-21 7.7% (संशोधित आकडेवारी)

8) संपत्तीचे असमान वितरण.

भारतात आर्थिक विषमतेचे प्रमाण अधिक आहे. उत्पन्न असमानता निर्देशांक 2018 नुसार भारतातील 1 टक्के लोकांकडे 80% संपत्ती आहे.(Oxford Report भारतात 1% लोकांकडे 73% संपत्ती आहे.)

9) औद्योगिकरणाचा अभाव

भारतीय अर्थव्यवस्था विकसनशिल अर्थव्यवस्था असल्यामुळे भारताच्या उत्पादनात उद्योगक्षेत्राचा वाटा कमी आहे. औद्योगिकरणाबाबत प्रादेशिक असमतोल दिसून येतो. कांही भागात उद्योगाचे केंद्रीकरण झाले आहे.

10) तंत्रज्ञानाचा अभाव

11) मानवी भांडवलाचा निकृष्ट दर्जा

12) निम्न राहणीमान

| राष्ट्रीय उत्पन्न आणि लोकसंख्या | राष्ट्रीय उत्पन्न * कोटी | दरडोई उत्पन्न * | लोकसंख्या |
|---------------------------------|--------------------------|-----------------|-----------|
| 1950-51                         | 9,464                    | 264             | 359       |
| 1960-61                         | 16,169                   | 373             | 434       |
| 1970-71                         | 41,294                   | 763             | 541       |
| 1980-81                         | 1,25,761                 | 1,852           | 679       |
| 1990-91                         | 4,71,618                 | 5,621           | 839       |
| 2000-01                         | 17,62,358                | 17,295          | 1,019     |
| 2001-02                         | 19,18,827                | 18,450          | 1,040     |
| 2005-06                         | 30,00,666                | 27,131          | 1,106     |
| 2006-07                         | 35,01,313                | 31,206          | 1,122     |
| 2007-08                         | 40,76,878                | 35,825          | 1,138     |
| 2008-09                         | 47,05,447                | 40,775          | 1,154     |
| 2009-10                         | 53,95,688                | 46,117          | 1,170     |
| 2010-11                         | 63,25,039                | 53,331          | 1,186     |

| कृषी    | कृषी उत्पादन सूची | कृषी उत्पादकता सूची | अन्नधान्य उत्पादन |
|---------|-------------------|---------------------|-------------------|
| वर्षे   | 1993-94 = 100     |                     | Mn. Tonnes        |
| 2011-12 | 72,84523          | 60,603              | 1,202             |
| 1950-51 | 36.4              | 46.7                | 50.8              |
| 1960-61 | 54.2              | 57.9                | 82.0              |
| 1970-71 | 67.6              | 69.5                | 108.4             |
| 1980-81 | 80.4              | 77.3                | 129.6             |
| 1990-91 | 116.8             | 100.5               | 176.4             |
| 2000-01 | 134.1             | 110.0               | 196.8             |
| 2001-02 | 142.1             | 115.8               | 212.9             |
| 2005-06 | 146.8             | 117.0               | 208.6             |
| 2006-07 | 167.8             | 130.6               | 217.3             |
| 2007-08 | 172.9             | 134.4               | 230.8             |
| 2008-09 | 161.8             | 125.8               | 234.5             |
| 2009-10 | 159.6             | 126.0               | 218.1             |
| 2010-11 | 185.3             | 138.3               | 244.8             |
| 2011-12 | 192.0             | 143.6               | 257.4             |

पुढील आकडेवारी आर्थिक पाहणी अहवालामध्ये दिली आहे.

स्त्रोत - दत्त अँड सुंदरम्